

## नवभारत

संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी

प्रेरणा स्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी

## भारत की अहम होती भूमिका

दुनिया इस समय गहरे भू-राजनीतिक संक्रमण के दौर से गुजर रही है. यूक्रेन युद्ध, मध्य पूर्व का तनाव, महाशक्तियों की प्रतिस्पर्धा और आर्थिक अस्थिरता ने वैश्विक व्यवस्था को असमंजस की स्थिति में खड़ा कर दिया है. ऐसे समय में नई दिल्ली में आयोजित रायसीना डायलॉग 2026 केवल एक कूटनीतिक सम्मेलन नहीं, बल्कि वैश्विक चिंतन का मंच बन गया है. इसके उद्घाटन सत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संबोधन इसी व्यापक परिप्रेक्ष्य में महत्वपूर्ण माना जाना चाहिए. प्रधानमंत्री ने अपने भाषण की शुरुआत ही उस संदेश से की जो आज की दुनिया के लिए सबसे अधिक प्रासंगिक है, 'यह युग युद्ध का नहीं है, यह वायव्य पिछले कुछ वर्षों में भारत की विदेश नीति का केंद्रीय सूत्र बन चुका है. यूक्रेन से लेकर मध्य पूर्व तक फैले संघर्षों की ओर संकेत करते हुए उन्होंने स्पष्ट कहा कि राष्ट्रभूमि स्थायी समाधान नहीं देती. संवाद, कूटनीति और सहयोग ही वह रास्ता है जो मानवता को विनाश से बचा सकता है.'

यह संदेश केवल नैतिक आग्रह नहीं, बल्कि उस देश की आवाज है जिसने स्वयं को वैश्विक शक्ति-संतुलन के बीच एक जिम्मेदार मध्यस्थ की रूप में स्थापित किया है. रायसीना डायलॉग में प्रधानमंत्री के भाषण का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू ग्लोबल साउथ का मुद्दा रहा. पिछले कुछ वर्षों में भारत ने विकासशील देशों की आवाज का अंतरराष्ट्रीय मंचों पर मजबूती से उठाने का प्रयास किया है. जी-20 की अध्यक्षता के दौरान भी भारत ने अफ्रीकी संघ को स्थायी सदस्य बनवाकर यह संदेश दिया था कि वैश्विक व्यवस्था अब केवल पश्चिमी शक्तियों के इर्द-गिर्द नहीं घूम सकती. रायसीना मंच से प्रधानमंत्री ने कहा कि ग्लोबल साउथ अब केवल दर्शक नहीं, बल्कि वैश्विक निर्माण प्रक्रिया का सक्रिय भागीदार बनना चाहता है. यह बताने उस बदलते शक्ति संतुलन को रेखांकित करता है जिसमें भारत स्वयं को एक

सेतु और नेतृत्वकर्ता दोनों के रूप में देखता है. प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में तकनीक और मानवता के संबंध पर भी महत्वपूर्ण टिप्पणी की. कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल क्रांति के युग में उन्होंने चेतावनी दी कि तकनीक का इस्तेमाल मानव कल्याण के लिए होना चाहिए, न कि संघर्ष और नियंत्रण के नए औजार के रूप में. भारत का डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर मॉडल, जिसमें आधार, यूपीआई और डिजिटल सेवाओं का विशाल नेटवर्क शामिल है, आज कई देशों के लिए प्रेरणा बन चुका है. एक अन्य महत्वपूर्ण मुद्दा वैश्विक संस्थाओं के सुधार का रहा. संयुक्त राष्ट्र और उससे जुड़ी संस्थाओं की संरचना आज भी द्वितीय विश्व युद्ध के बाद की परिस्थितियों को प्रतिबिंबित करती है. प्रधानमंत्री मोदी ने स्पष्ट कहा कि 21वीं सदी की चुनौतियों को सामना 20 वीं सदी के ढांचे से नहीं किया जा सकता. यह

टिप्पणी सीधे तौर पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार और भारत की स्थायी सदस्यता की मांग की ओर संकेत करती है.

प्रधानमंत्री के भाषण का अंतिम और शायद सबसे व्यापक संदेश 'विश्व-मित्र भारत' की अवधारणा रहा. भारत ने स्वयं को किसी सैन्य गुट का हिस्सा बनने के बजाय एक ऐसे देश के रूप में प्रस्तुत किया है जो संवाद, सहयोग और संतुलन की राजनीति में विश्वास रखता है. यही कारण है कि भारत एक ओर अमेरिका और यूरोप के साथ रणनीतिक साझेदारी विकसित करता है, तो दूसरी ओर रूस, पश्चिम एशिया और ग्लोबल साउथ के देशों के साथ भी अपने संबंध मजबूत रखता है. दरअसल, प्रधानमंत्री मोदी का संबोधन इस तथ्य को रेखांकित करता है कि भारत अब केवल क्षेत्रीय शक्ति नहीं, बल्कि वैश्विक विमर्श का सक्रिय निर्माता बन चुका है. जाहिर है तेजी से बदलती दुनिया में भारत की यही भूमिका आने वाले वर्षों में अंतरराष्ट्रीय राजनीति की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण साबित हो सकती है.

## मध्य क्षेत्र की डायरी

## 5वीं और 8वीं के पेपर लीक कैसे हुए



दिलीप झा

मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल अपने कारनामों की वजह से सरकार की भारी बदनामी हो रही है. यह शर्मनाक बात है कि 17 जिलों के पेपर एक ही प्रेस छपे और यहीं से 5वीं और 8वीं बोर्ड परीक्षा

के सभी प्रश्न पत्र सेंटर तक पहुंचने से पहले लीक हो गए. मामले को तूल पकड़ता देख आनन फानन में अधिकारियों ने जांच शुरू की और कलेक्टर कोशलेंद्र विक्रम सिंह को रिपोर्ट सौंप दी है. इसके बाद कलेक्टर ने पूरी घटना की जानकारी साइबर सेल और पुलिस अधिकारियों को दी है.

भोपाल की नवीन प्रिंटिंग प्रेस को भोपाल सहित 17 जिलों के प्रश्न पत्र छापने का काम दिया गया था. जांच अधिकारियों ने प्रिंटिंग प्रेस स्थल का दौरा कर एक आंतरिक जांच पाया कि यहां सुरक्षा के व्यापक इंतजाम नहीं थे. अब सवाल यह उठने लगे हैं कि आखिर लाखों बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों की गिरफ्तारी अभी तक क्यों नहीं हुई. स्कूली शिक्षा और कलेक्टर कोशलेंद्र विक्रम सिंह को रिपोर्ट से गड़बड़ी होगी तो प्रदेश के बच्चों का भविष्य कितना उज्वल होगा, यह बताने की जरूरत नहीं है. सूत्र बताते हैं कि स्कूली शिक्षा में जबदस्त धांधली चल रही है. हर जिले में मेरा आदमी तेरा आदमी टाइप के डीपीसी बैठा रखे हैं जो अपनी मनमानी से लूट मचा रखी है. निजी स्कूलों के संचालकों को धमकाया जा रहा है और खुलेआम कहा जा रहा है कि पैसे नहीं दोगे तो स्कूल चलाना मुश्किल हो जाएगा. डीपीसी कहते हैं कि शिकायत कहीं भी कर लो कुछ नहीं

होने वाला है. हमारी ऊपर तक पहुंच है. सोचिए जब किसी विभाग के प्रमुख इस तरह की भाषा का प्रयोग करने लगे तो आम आदमी को समझने में देर नहीं लगती है कि शिक्षा विभाग में क्या चल रहा है. यह सिर्फ एक जिले की बात नहीं है. सूत्रों का कहना है कि प्रदेश के सभी जिलों में डीपीसी के माध्यम से लूट का धिनीना खेल चल रहा है और इस खेल में शिक्षक और बच्चे दोनों पिस रहे हैं लेकिन शिक्षा विभाग अंजान बने हुए है. तबादले को लेकर विभाग के पास कोई ठोस नीति नहीं है. तबादले के नाम पर कर्मचारियों से लाखों रुपए मांगे जा रहे हैं. कर्मचारी संगठन द्वारा विरोध के बावजूद शिक्षा विभाग मनमानी पर उतरा हुआ है.

## बड़े निवेश दो साल में हुए कम

बड़े निवेश को लेकर आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट में जो खुलासा किए गए हैं वह चौंकाने वाला है. सर्वे में बताया गया है कि पिछले दो वर्षों में मध्यप्रदेश में बड़े निवेश कम हुए हैं जबकि सरकार दावा कर रही है कि बड़े निवेश हुए हैं. आर्थिक सर्वे में बताया गया है कि 2022-23 में जहां 27 बड़े निवेश प्रस्तावों से 57 हजार 333 करोड़ का निवेश आया था, ये 2024-25 में घटकर केवल 2 हजार करोड़ रह गया है. स्थिति यह है कि मौजूदा वित्तीय वर्ष के पहले 9 महीनों में सिर्फ 14 हजार करोड़ के बड़े निवेश प्रस्ताव आए हैं.

मध्यप्रदेश में वर्ष 2025 की नई निवेश नीति लागू है और इसमें सस्ती जमीन, कम बिजली दर सहित कई तरह के इंसेंटिव दिए गए हैं. इसमें बिजली पानी और स्ट्याम्प ड्यूटी को दरों में 100 प्रतिशत तक की छूट जैसे इंसेंटिव शामिल हैं लेकिन इसके बावजूद उद्योगपति यहां निवेश करने में कोई रुचि नहीं दिखा रहे तो सरकार के लिए चिंता का विषय होना चाहिए.

## रेरा की अनुमति बिना निर्माण की स्वीकृति कैसे

पीएम आवास योजना का प्रोजेक्ट नगर निगम के प्रशासनिक अधिकारियों की लापरवाही के कारण धीमी गति से चल रहा है. कोई पूछने वाला नहीं है कि जिस प्रोजेक्ट को डेढ़ साल में पूरा करना था वह ढाई साल बाद भी अधूरा कैसे है. अरेंडी ग्राम पंचायत में नगर निगम की ओर से पीएम आवास योजना प्रोजेक्ट की शुरुआत जनवरी 2023 में की गई थी. इसमें 130 कुल आवास बनाए जाने हैं, जिनमें 56 और 74 बुलेट्स हैं. यहां प्लैट और बुलेट्स का निर्माण जुलाई 2025 तक पूरा हो जाना था. हैरानी की बात यह है कि करोड़ों के इस प्रोजेक्ट का निर्माण रera की अनुमति के बिना ही जारी रहा. जबकि बिना रera पंजीयन के प्रोजेक्ट चलाना गंभीर प्रशासनिक चूक माना जाता है. अब जब प्रोजेक्ट पर सवाल उठे तो जनवरी 2026 में नगर निगम के अधिकारियों ने आनन-फानन में आवासों के निर्माण के लिए रera परमिशन के लिए दस्तावेज जमा किए हैं. ररे हैं जो अपनी मनमानी से लूट मचा रखी है. निजी स्कूलों के संचालकों को धमकाया जा रहा है और खुलेआम कहा जा रहा है कि पैसे नहीं दोगे तो स्कूल चलाना मुश्किल हो जाएगा. डीपीसी कहते हैं कि शिकायत कहीं भी कर लो कुछ नहीं होने वाला है. हमारी ऊपर तक पहुंच है. सोचिए जब किसी विभाग के जिला अधिकारी इस तरह की भाषा का प्रयोग करने लगे तो आम आदमी को समझने में देर नहीं लगती है कि शिक्षा विभाग में क्या चल रहा है. यह सिर्फ एक जिले की बात नहीं है. सूत्रों का कहना है कि प्रदेश के सभी जिलों में डीपीसी के माध्यम से लूट का धिनीना खेल चल रहा है और इस खेल में शिक्षक और बच्चे दोनों पिस रहे हैं लेकिन शिक्षा विभाग अंजान बने हुए हैं. तबादले को लेकर विभाग के पास कोई ठोस नीति नहीं है. तबादले के नाम पर कर्मचारियों से लाखों रुपए मांगे जा रहे हैं. कर्मचारी संगठन द्वारा विरोध के बावजूद शिक्षा विभाग मनमानी पर उतरा हुआ है.

## जॉर्ज, शरद, लालू और अब समाजवादी नीतीश

बिहार की राजनीति के केंद्र में लगभग दो दशक रहने के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की विधानमंडल राजनीति का अंत हो गया है. इसके साथ ही देश की राजनीति के सबसे प्रमुख राज्यों में अब एक नए अध्याय की शुरुआत होने जा रही है. हालांकि इस समापन को विधानसभा चुनाव के पहले महसूस किया जा रहा था लेकिन यह फैसला भी चुनाव के चौंकाने वाले परिणामों की तरह ही सामने आया. 2005 से 2026 तक लगातार बिहार की कमान संभालने वाले नीतीश कुमार ने 10वां बार मुख्यमंत्री का रिर्काई रचने के चार माह बाद गुरुवार सुबह भाजपा के चाणक्य अमित शाह की मौजूदगी में राजसभा के लिए अपना नामांकन भर दिया.

## एनडीए बगैर ज्यादा दिन नहीं रहे

यहां यह याद रखना जरूरी है कि 2014 में, नीतीश कुमार ने कुछ समय के लिए एनडीए को नरेंद्र मोदी के नेशनल विकल्प के तौर पर पेश करने की कोशिश की थी. लेकिन, जैसे ही हिंदुत्व की राजनीति की लहर तेज हुई, उन्होंने अपनी रणनीति में बदलाव किया और यह नतीजा निकाला कि बीजेपी के नेतृत्व वाले गठबंधन से लंबे समय तक बाहर रहना राजनीतिक रूप से समझदारी नहीं होगी. राष्ट्रीय जनता दल के साथ महागठबंधन के साथ कुछ समय के प्रयोग करने के बाद, वह जुलाई 2017 में एनडीए में वापस आ गए. 2022 में विपक्षी खेमे में जाने के बाद के सालों में उनके गठबंधन

## इस लिये जो वीक नीतीश कुमार ने

जनता दल यूनाइटेड पर नियंत्रण करने के लिए जॉर्ज फर्नांडिस और शरद यादव जैसे दिग्गज समाजवादियों को साइडलाइन किया था. दरअसल, जनता दल (यूनाइटेड) की स्थापना 30 अक्टूबर, 2003 को हुई थी, जो जनता दल के शरद यादव के गुट, जॉर्ज फर्नांडिस और नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली समता पार्टी और लोक शक्ति पार्टी के मर्जर से बनी थी. इस मर्जर ने बिहार में लालू प्रसाद यादव के विरोधी खेमे को मजबूत किया और नीतीश कुमार के समाजवाद, पिछड़ी जातियों की लामबंदी और गर्वनेस में सुधार के वादों पर आधारित एक क्षेत्रीय ताकत के रूप में उभरने का रास्ता बनाया.

बदलते रहे, और जनवरी 2024 में फिर से बाहर निकल गए. यह कहते हुए कि यह व्यवस्था टिकने लायक नहीं है.

## सुशासन बाबू की छवि

दस बार के मुख्यमंत्री ने सुशासन बाबू की इमेज बनाई थी. एक ऐसे नेता जो गर्वनेस में सुधार और प्रशासनिक क्षमता से जुड़े थे. हालांकि, हाल के सालों में वह इमेज थुंधली होने लगी. राजनीतिक हलकों में नीतीश कुमार की गिरती सेहत के बारे में कानाफूसी बढ़ रही थी, कुछ लोगों का कहना है कि उनकी बिगड़ती हालत ने उनके पद छोड़ने के फैसले में भूमिका निभाई है. अनाधिकृत भाजपा में विलय

## बिहार में नए राजनीतिक अध्याय की शुरुआत



हाल ही में हुए बिहार चुनावों के दौरान, यह साफ था कि बीजेपी ने जेडीयू को अपने में मिला लिया था और पार्टी के कामकाज पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली थी. कैंडिडेट चुनने से लेकर सोशल मीडिया और बीजेपी में विलय की अटकलें भी सामने आईं, हालांकि ऐसा अधिकृत विलय नहीं हुआ, लेकिन कई लोगों का मानना है कि पॉलिटिकल तौर पर, सबमें शामिल होने का प्रोसेस पूरा हो गया है.

## परिवारवाद से दूरी

तमाम विरोधाभास के बाद भी नीतीश कुमार व्यक्तिगत ईमानदारी और साफ छबि के लिए भी जाने जाएंगे. एक ऐसा राज्य जहां लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) जैसी पार्टीया परिवारवाद को अंग बढ़ाती आई हैं, नीतीश कुमार इसके बिल्कुल खिलाफ रहे. हालांकि, अब निशांत के डिटी सीएम बनने यह उनकी इस छबि को धक्का जरूर लगने वाला है. बिहार विधानसभा से उनका जाना उस दौर का अंत है जिसे कई विश्लेषक लालू-नीतीश युग कहते हैं. लालू प्रसाद यादव के पहले ही सक्रिय राजनीति से रिटायर होने के साथ, बिहार अब एक अनिश्चित राजनीतिक बदलाव की ओर है.

## ट्रंप ने पूरी दुनिया को मुसीबत में डाल दिया

अपने बेटुके व बिना सोचे समझे किये गए फैसलों से ट्रंप ने पहले टैरिफ युद्ध से और अब ईरान पर बेमकसद का युद्ध थोपकर पूरी दुनिया को परेशानी में डाल दिया है. अगर आज युद्ध बंद हो जाये तो भी दुनिया को पटरी पर आने में कम से कम दस साल का समय लागेगा. ट्रंप भरोसे के लायक व्यक्ति नहीं हैं. उनका दूसरे कार्यकाल के लिए चुनाव अभियान इस वायदे पर आधारित था कि वह अमेरिका को दूसरों के युद्ध में नहीं झोंके. इस वायदे का क्या हुआ, उसके सामने है. इसीलिए अब अमेरिका में उनके अपने ही कट्टर समर्थक उनका विरोध कर रहे हैं और युद्ध को तुरंत बंद करने का दबाव डाल रहे हैं. पिछले साल जून में अमेरिका व ईरान के बीच समझौता वार्ता चल रही थी क्योंकि ट्रंप ने बराक ओबामा और तेहरान के बीच जो परमाणु समझौता हुआ था, उसे रद्द कर दिया था. वार्ता के बीच ही ट्रंप ने ईरान पर हमला करके, 12 दिन के युद्ध के बाद दबा दिया कि ईरान की परमाणु बम बनाने की क्षमता को उसने इतनी बुरी तरह से ध्वस्त कर दिया है कि वह वर्षों तक परमाणु बम बनाने की सोच भी नहीं सकता. इसके बावजूद इस साल एक बार फिर अमेरिका



व ईरान में समझौता वार्ता आरंभ हुई, दोनों पक्ष दवा कर रहे थे कि वार्ता एकदम सही दिशा में जा रही है और एक या दो दिन में समझौता हो जायेगा, लेकिन 28 फरवरी की सुबह अमेरिका व इजराइल ने मिलकर ईरान पर हमला कर दिया और उसके सुप्रीम लीडर अली खमेनेई की हत्या कर दी. ट्रंप बहुत जल्द दूसरी की बातों में आ जाते हैं. अभी हाल ही में न्यूयॉर्क के मेयर जेहोराण ममदानी, जिन्हें ट्रंप सोशलिस्ट डेमोक्रेट होने की वजह से जरा पसंद नहीं करते, ने वाइट हाउस जाकर ट्रंप से न्यूयॉर्क में 12,000 नये मकान बनवाने के प्रस्ताव पर मंजूरी हासिल कर ली. जब ममदानी से पत्रकारों ने माहूम किया कि उन्होंने इस असंभव प्रतीत होने वाले काम को कैसे मुमकिन कर लिया; क्योंकि ट्रंप ने तो कहा था कि अगर न्यूयॉर्क की जनता ममदानी को अपना मेयर चुनती है तो वह न्यूयॉर्क के लिए एक पैसा भी रिलीज नहीं करेगा, तो ममदानी का जवाब था कि ट्रंप के अहंकार को संतुष्ट करके कुछ भी काम कराया जा सकता है. इस प्रसंगभूमि में नेतृत्वही की पिछले एक साल में सात बार वाइट हाउस की यात्रा के उद्देश्य को बाखूबी समझा जा सकता है.

## संपादकीय बोर्ड

प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

## शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

## CROSS WORD 12190

-डॉ. सागर खादीवाला

1	2	3	4
	5		6
7	8	9	10
13		14	15
16		17	18
19	20	21	
22			23

(उर्दू) 23. वसंत ऋतु में काटी जाने वाली फसल  
ऊपर से नीचे  
1. परिहास, दिल्लीगो, हास्य रस प्रधान एक रूपक (सं.) 2. जताया हुआ, सूचित (सं.) 3. किवाड़-तराजू आदि के दो हिस्सों में से एक, दामन 4. प्रकाश 6. शीघ्रता से, बिना सोचे समझे (उर्दू) 8. बहने वाला, द्रव 9. आपत्ति, दुख, भूत-प्रेत (उर्दू) 10. प्रसिद्ध नामों 12. जुड़ना 15. राह दिखाने वाला (उर्दू) 16. जोश, सुखदायक मनोवेग 20. सहमत, राजामंद

## बाएं से दाएं

1. वह पुत्र या दस्तावेज जिसमें लिखित रूप में कोई प्रतिज्ञा की गई हो, इकरारनामा, शर्तनामा 4. ऊंचा, उन्नत, श्रेष्ठ 5. कृते का पर बच्चा 6. अनुचित, नामनासिब (उर्दू) 7. लगातार, निरंतर, सर्वदा 9. बताना, समझाना 11. पुरुष जाति का 12. कपड़े बुनने वाला 13. हिलोर, तरंग 14. सरस्वती, एक प्रकार की वीणा 17. किसी वस्तु या व्यक्ति का बोध कराने वाला शब्द, संज्ञा, कीर्ति 18. प्रत्येक, छीनने या हरण करने वाला 19. केकई की दासी जो कुबड़ी थी 21. दबाव 22. खूबसूरती, शोभा

## Solution 12189

सा	फा	बा	त	ब	क	ना
ल	ट	प	लं	ग	पो	श
न	कार	ना	रा	त		
र	वा	म	ना	ब		
ज	ना	खा	ना	हु		
खी	गी	व	ह	श	त	
रा	ई	ज	न	म	त	
द	ख	ल		क	ज	

## ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

## आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता मिलेगी, आकस्मिक धन लाभ का योग है, वर्ष के मध्य में व्यापार में लाभ प्राप्त होगा, शासन सत्ता का सुख प्राप्त होगा, वर्ष के अंत में शारीरिक कष्ट होगा, मित्रों से व्यर्थ विवाद होगा, स्थानांतरण का योग है, मानसिक तनाव में वृद्धि होगी.

मेघ और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को शारीरिक कष्ट होगा, वृष

मेघ- कार्य क्षेत्र में समझौता करना लाभदायक रहेगा. विवादित मामले सुलझने के आसार हैं. सुख, सम्मान, प्रतिष्ठा बढ़ेंगी. दुविधा दूर होगी.

वृषभ- प्रतियोगी परीक्षा में सफलता के आसार हैं. सहयोगी आपकी मेहनत का लाभ उठावेंगे. धार्मिक कार्य को रूपरेखा बनेगी. मित्रों की मदद करेंगे.

मिथुन- पारिवारिक मित्रों से मुलाकात सुखद रहेगी. वैभव के सामान पर खर्च होगा. बाहर चलाने में सावधानी रखें. लापरवाही से स्वास्थ्य बिगड़ सकता है.

कनक- रूढ़ि व्यवहार से मित्र वर्ग नाराज हो सकते हैं. वाणी पर संयम रखना आवश्यक है. उच्च अध्ययन एवं अध्यापन का योग है. कामकाज में व्यस्तता रहेगी.

सिंह- आय के साधनों में वृद्धि होगी. किसी नये कार्य की योजना बनेगी. जल्दबाजी में लिया गया निर्णय नुकसानदायक हो सकता है.

कन्या- कानूनी मामलों में आपका पक्ष मजबूत होगा. अनुभव का लाभ मिलेगा. पारिवारिक कार्यों में समय का ध्यान रखकर कार्य करना लाभदायक रहेगा.

तुला- धीमी गति से चल रही योजनाओं पर ध्यान दें. दौड़धूप अधिक होगी. लाभ मिलेगा. नवीन योजना बनेगी. कामकाज नवीन से प्रसन्नता होगी.

वृश्चिक- सामाजिक कार्यक्रमों में शामिल होकर खुशी मिलेगी. पूर्य व्यक्तियों की सहाह लाभदायक रहेगी. महत्वपूर्ण कार्यों की रूपरेखा बन सकती है.

## आज जन्म शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक स्वस्थ सुन्दर, एवं अच्छे विचारों का होगा. शरीर से दुबला पतला पुर्तिला होगा. स्वास्थ्य ठीक रहेगा. बचपन में निमोनिया आदि से तकलीफ होगी. किसी विशेष कला का ज्ञाता होगा. भाग्योन्नति जन्म स्थान से दूर होगी.

धनु- आपके साहस एवं पराक्रम में वृद्धि होगी. कामकाज कल पर न टालें. किसी पर अधिक भरोसा करना हानिकारक रहेगा. धार्मिक कार्य बनेगा.

मकर- करीबारी विस्तार की संभावना है. प्रायर्टों के कार्यों में सावधानी रखें. किसी अजनबी से मुलाकात लाभदायक सिद्ध होगी.

कुम्भ- विपरीत स्थिति को अपने लिये अनुकूल बना लेंगे. विद्या के क्षेत्र में सफलता मिलेगी. आर्थिक एवं व्यापारिक कामकाज होगा. पारिवारिक यात्रा होगी.

मीन- सामूहिक कार्यों में सबको सलाह लेकर आगे बढ़ें. विरोधी वर्ग उग्र रूप धारण कर सकते हैं. लाभदायक काम बनने का योग है.

## उदयकालीन ग्रह चाल

9	8	के.7 मू.	6	5
		च. मू.		
	10	श.	4	
11		1	मू.	3
	12	पु.	2	

## पंचांग

रा.मि. 16 संवत् 2082 चैत्र कृष्ण चतुर्थी शनिवासरे शाम 6/29, चित्रा नक्षत्रे दिन 10/44, वृद्धि योगे प्रातः 6/35, बालव करणे सू.उ. 6/11, सू.अ. 5/49, चन्द्रचार तुला, शु.रा. 7, 9, 10, 1, 2, 5 अ.रा. 8, 11, 12, 3, 4, 6 शुभांक- 9, 2, 6.

## व्यापार भविष्य

चैत्र कृष्ण चतुर्थी को चित्रा नक्षत्र के प्रभाव से सरसों, अरंडी, बिनोला, मूंगफली, घी तेल के भाव में तेजी होगी. रूई, कपास, सूत, व लकड़ी से बनी वस्तुओं में तेजी का रूख रहेगा. भाग्यांक 4221 है.

## SUDOKU 7322

	8	5						
3								
		6			7	4		
6		2	4					
1								8
		7	5					3
	4	7		1				6
						5	2	

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. पहली का केवल एक ही हल है.

## नवभारत सू-दूकू 7321

4	3	9	2	6	8	5	1	7
8	1	6	7	4	5	9	2	3
7	5	2	3	9	1	6	4	8
1	7	5	4	2	6	8	3	9
6	4	3	8	5	9	2	7	1
2	9	8	1	7	3	4	5	6
5	2	1	6	8	7	3	9	4
9	8	7	5	3	4	1	6	2
3	6	4	9	1	2	7	8	5